JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

"डाकघर एवं बैंको के बचत एवं जमा योजनाओं में जमा की गयी राशियों का तुलनात्मक अध्ययन "(2012–13 से 2021–22)

डॉ. जगदीष कुमार साहू
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य विभाग
महाराजा अग्रसेन इंटरनेषनल कॉलेज रायपुर (छ.ग.)

सारांश

प्रस्तावित षोध कार्य मे बैंकों के बचत एवं जमा योजनाओं में जमा की गयी राषि व डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं मे जमा की गयी राषियों का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है । इन योजनाओं में जमा राषियों का संकलन द्वितीय प्रकार के समंकों पर आधारित है जिन्हे विशय से संबंधित प्रकाषित पत्र पत्रिकाओं, प्रषासकीय प्रतिवेदन एवं वार्शिक पत्रिकाओं के माध्यम से किया गया है। इन योजनाओं में जमा राषियों का अवलोकन कर इन योजनाओं में जमा राषियों के मध्य समान्तर माध्य, प्रमाप विचलन व वन वे एनोवा तकनीक का प्रयोग कर तुलनात्मक अध्ययन किया गया है।ळ

मुख्य शब्द

डाकघर, बैंक ,बचत, जमा, योजनाएँ, राषि, आरेख, वन वे एनोवा ।

परिचय

किसी भी देष की आर्थिक प्रगति में उस देष की पूँजी का महत्वपूर्ण योगदान होता हें । पूँजी मे वृद्धि बचत से ही हो सकती है । बचत के द्वारा एक ओर जहॉ जन साधारण अपनी राषि जमा कर लाभ प्राप्त करता है एवं पूँजी निर्माण में वृद्धि होती है। भारत जैसे विकासषील देष में विभिन्न वित्तीय संस्थाएँ हैं जो बैंकिंग व्यवस्था के माध्यम से साख मुद्रा का निर्माण कर अर्थव्यवस्था को सषक्त बनाने का महत्वपूर्ण कार्य करती हैं । भविश्य की अनिष्चितता को ध्यान में रखकर प्राचीन काल से लेकर आधुनिक युग तक लोगो के द्वारा बचत करने का प्रयास किया जाता रहा है ।

वर्तमान में बचत बैंको, वित्तीय सस्थाओं, तथा डाकघर में विनियोग के माध्यम से किया जाता हैं। बचत से न केवल भविश्य की सुरक्षा होती है, अपितु बचत पूँजी निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है। इसी प्रकार षहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की बचत की राषि को संग्रहित करने तथा बचत संबंधी सुविधा प्रदान करने के लिए बैंको तथा डाकघरों में बचत बैंको की स्थापना की गई है। डाकघर तथा बैंको ने भारतीय अर्थव्यवस्था में पूँजी निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका का निर्वहन किया है।

साहित्य समीक्षा

प्रीति सिंह (2002) ने अपने षोध कार्य मे यह पाया कि डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं में जमा कि जाने वाली रकम वाणिज्यिक बैंको में जमा कि जाने वाली रकम लगभग बराबर ही रहती है इनमे ज्यादा कोई अन्तर नही पाया जाता है इन्होने यह भी पाया की डाकघर की तुलना में सावधि जमा खातों में जमा कि जाने वाली राषियॉ डाकघर की तुलना में वाणिज्यिक व क्षेत्रिय ग्रामीण बैंकों में अधिक है।

डॉ.आर गणपति (2010) के अध्ययन में यह निश्कर्श निकाला गया है कि क्षेत्रिय ग्रामीण बैंकों में खोले गये खातों की संख्या डाकघर में खोले गये खातों की संख्या से कम होते है किन्तु इन खातों मं बचत एवं जमा योजनाओं में जमा की जाने वाली रकम डाकघर की तुलना में अधिक ही रहा है इसी प्रकार षहरी क्षेत्रों के वाणिज्यिक बैंकों मे जमा राषियॉ इन दोनो वित्तिय संस्थानों में जमा राषियों से अधिक रही है ।

नागपाल सुषांत एण्ड बोडला बी. एस. (2009) के षोध पर यह निश्कर्श दिया गया है कि ग्रामीण व षहरी क्षेत्रों में जननांकिय भिन्नता होने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में बचत एवं जमा योजनाओं में जमा की जाने वाली राषि की मात्रा कम रहती है क्योंकि यहॉ जनसंख्या घनत्व षहरी क्षेत्रों की तुलना में कम होती है व इनकी आय भी सीमित होती है जिससे क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों व डाकघरों में जमा की जाने वाली रकम की मात्रा भी सीमित होती है षहरी क्षेत्रों की तुलना में यह रकम कम होती है।

प्रविधि

षोध प्रविधि द्वितियक प्रकार के समंको पर आधारित है । आंकड़ो का संग्रहण विशय से संबंधित प्रकाषित पत्र पत्रिकाओं, प्रषासकीय प्रतिवेदन एवं वार्शिक पत्रिकाओं के माध्यम से किया गया है। समंकों के विषलेशण हेतु सांख्यीकीय विधि, आरेखीय चित्रण, **मध्य समान्तर माध्य, प्रमाप विचलन व वन वे एनोवा तकनीक** का प्रयोग किया गया है।

तालिका क्रमांक 1.1

भारत में अन्य योजनाओं में जमा की गयी राशि व डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं में जमा की गयी राशियों की वर्षवार तुलना

(Billion)

वर्ष	व्यवसायिक बैंक	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	डाकघर
2012.13	12762	498	701.92
2013.14	15113	558	938.85
2014.15	17468	614	1129.44
2015.16	20912	706	1225.24
2016.17	25970	821	1102.43
2017.18	32499	973	1041.93
2018.19	39220	1187	1222.38
2019.20	45610	1424	1723.13
2020.21	53896	1639	1949.35
2021.22	60872	1830	1646.57

तालिका क्रमांक 1.1 में दिये आंकड़ों के अध्ययन अवधि के मध्यमान निकाल कर समग्र रूप से भारत में व्यवसायिक बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक तथा डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियों की तुलना की गयी है । प्राप्त परिणाम तालिका क्रमांक 1.2 में प्रस्तुत किये गये हैं ।

तालिका क्रमांक 1.2

वन वे एनोवा

व्यवसायिक बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक तथा डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियों की अध्ययन अवधि में तुलना

(Billion)

समूह	बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियाँ			
	छ	Mean	S.D.	SE of Mean
व्यवसायिक बैंक	10	32432.20	16913.25	5348.44
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	10	1025.00	473.90	149.86
डाकघर	10	1268.12	386.59	122.25
F= 34.17, p<.01				

तालिका क्रमांक 1.2 में वन वे एनोवा तकनीक के प्रयोग से प्राप्त थ्त्र34ण्17 ;चढण्01द्ध जो कि सांख्यिकीय रूप से सार्थकता स्तर पर सिद्ध है, यह दर्शाता है कि व्यवसायिक बैंक में बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियाँ ;ड्त्र32432ण्20द्ध, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियाँ ;ड्त्र1025ण्00द्ध, तथा डाकघर

की बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियाँ ;ड1268ण्12द्ध सार्थक रूप से भिन्न हैं। प्राप्त परिणामों के अनुसार व्यवसायिक बैंक में बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियाँ, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक एवं डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियों से अध्ययन अवधि के आंकड़ों के अनुसार अधिक हैं वहीं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में बचत तथा जमा योजनाओं से प्राप्तियाँ डाकघर से अधिक हैं ।

प्राप्त परिणाम आरेख क्रमांक 1.3 में भी दर्शाये गये हैं ।

आरेख क्रमांक 1.3

भारत में व्यवसायिक बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक तथा डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियों की अध्ययन अवधि में तुलना

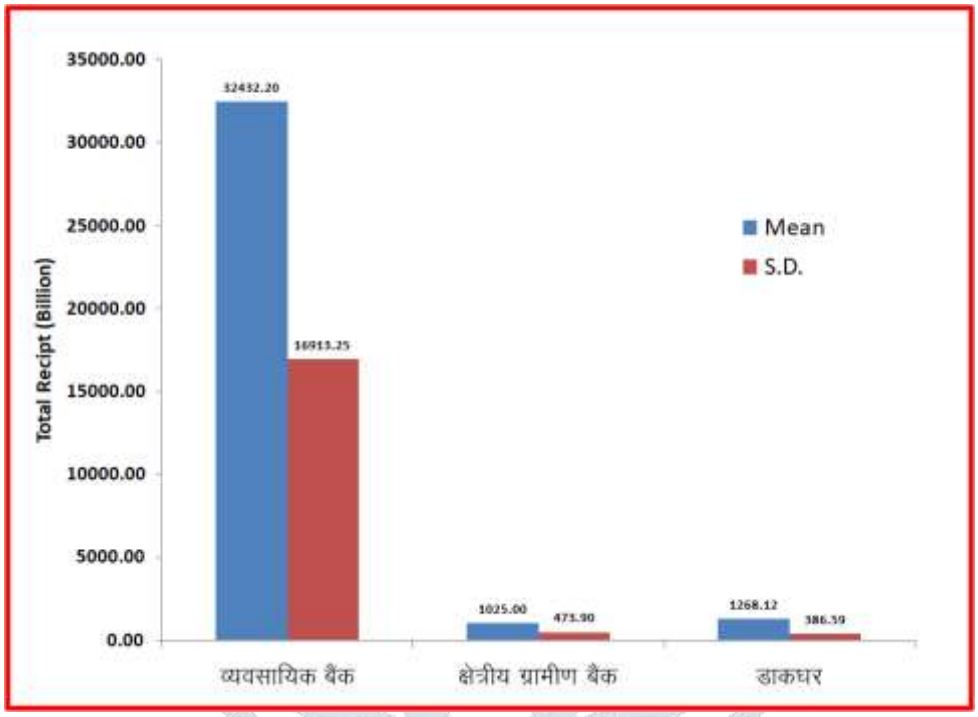

तालिका क्रमांक 1.3 में छत्तीसगढ़ में अन्य योजनाओं में जमा की गयी राशि व डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं में जमा की गयी राशियों का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है ।

तालिका क्रमांक 1.3

छत्तीसगढ़ में अन्य योजनाओं में जमा की गयी राशि व डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं में जमा की गयी राशियों की तुलना

(Billion)

वर्ष	व्यवसायिक बैंक	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	डाकघर
2012.13	117	12	11.02
2013.14	146	14	13.40
2014.15	165	16	15.89
2015.16	206	19	17.47
2016.17	244	22	17.68
2017.18	310	26	13.35
2018.19	392	32	15.46
2019.20	478	38	24.89
2020.21	568	44	32.00
2021.22	683	51	29.41

तालिका क्रमांक 1.4 में दिये आंकड़ों के अध्ययन अवधि के मध्यमान निकाल कर छत्तीसगढ़ में व्यवसायिक बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक तथा डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियों की तुलना की गयी है । प्राप्त परिणाम तालिका क्रमांक 1.4 में प्रस्तुत किये गये हैं ।

तालिका क्रमांक 1.4

वन वे एनोवा

छत्तीसगढ़ में व्यवसायिक बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक तथा डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियों की अध्ययन अवधि में तुलना

(Billion)

समूह	बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियाँ			
	छ	Mean	S.D.	SE of Mean
व्यवसायिक बैंक	10	330.90	193.39	61.15
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	10	27.40	13.39	4.23
डाकघर	10	19.05	7.19	2.27
F= 25.16, p<.01				

तालिका क्रमांक 1.4 में वन वे एनोवा तकनीक के प्रयोग से प्राप्त थ्त्र25ण्16 ;चढण्01द्ध जो कि सांख्यिकीय रूप से सार्थकता स्तर पर सिद्ध है, यह दर्शाता है कि छत्तीसगढ़ में व्यवसायिक बैंक में बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियाँ ;ड्त्र330ण्90द्ध, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियाँ ;ड्त्र27ण्40द्ध, तथा डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियाँ ;ड्त्र19ण्05द्ध सार्थक रूप से भिन्न हैं। प्राप्त परिणामों के अनुसार छत्तीसगढ़ में व्यवसायिक बैंक में बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियाँ, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक एवं

डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियों से अध्ययन अवधि के आंकड़ों के अनुसार अधिक हैं वहीं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में बचत तथा जमा योजनाओं से प्राप्तियाँ डाकघर से अधिक हैं ।

प्राप्त परिणाम आरेख क्रमांक 1.4 में भी दर्शाये गये हैं ।

आरेख क्रमांक 1.4

छत्तीसगढ़ में व्यवसायिक बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक तथा डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियों की अध्ययन अवधि में तुलना

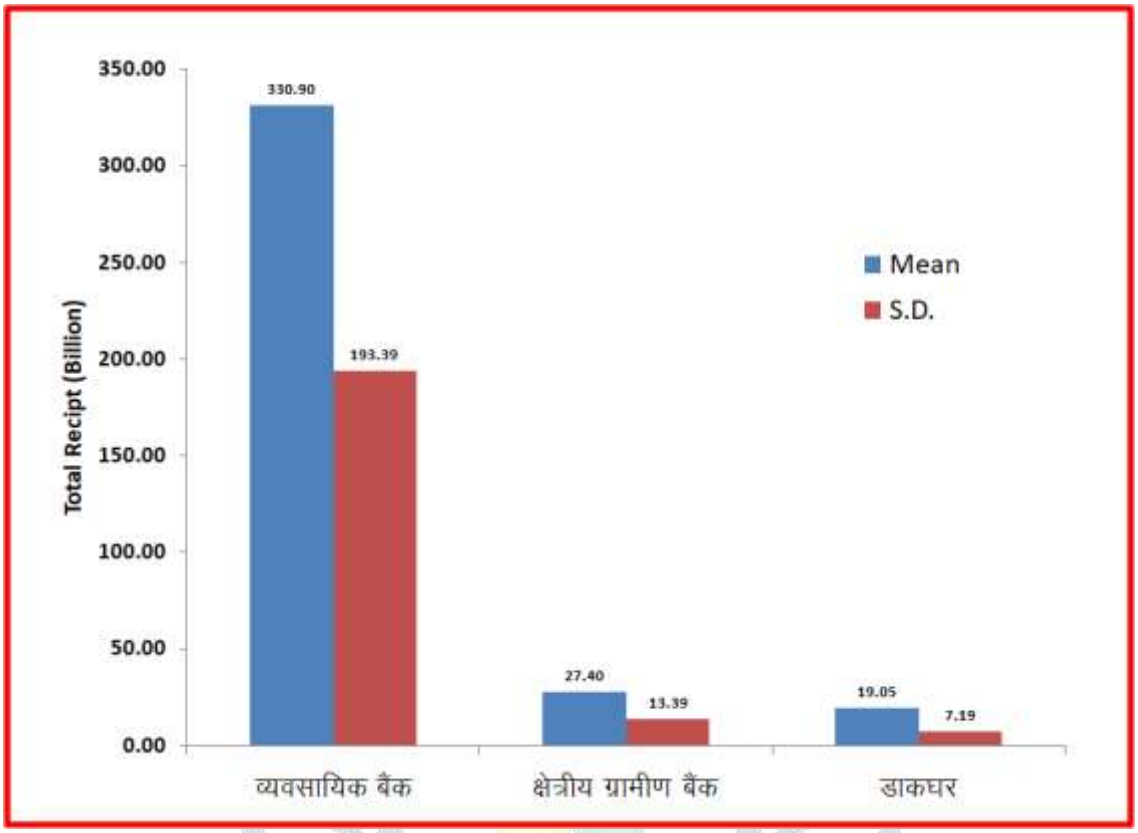

परिणाम

1. व्यवसायिक बैंक में बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियाँए, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियाँ, तथा डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियाँ सार्थक रूप से भिन्न हैं।
2. प्राप्त परिणामों के अनुसार व्यवसायिक बैंक में बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियाँ, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक एवं डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियों से अध्ययन अवधि के आंकड़ों के अनुसार अधिक हैं वहीं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में बचत तथा जमा योजनाओं से प्राप्तियाँ डाकघर से अधिक हैं ।

निष्कर्ष

अतः निष्कर्षतः संपूर्ण भारत एवं छत्तीसगढ़ में बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियों में व्यवसायिक बैंक अग्रणी हैं । श्रेणीगत विभाजन करने पर संपूर्ण भारत एवं छत्तीसगढ़ में बचत एवं जमा योजनाओं में प्राप्तियों में व्यवसायिक बैंक, उसके पश्चात् क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक तथा अंत में डाकघरों की प्राप्तियाँ आती हैं ।

संदर्भ

www.Indiapost.gov.in

www.sodhganga.inflibnit.ac.in

www.nsindia.gov.in

Alinvi, F., & Babri, M. (2007). Customers' Preferences of Insurance Services. Bachelor Thesis, International Business Program.

Das B., M. S., & Nikhil Chandra. (2008). Mutual Fund vs. Life Insurance: Behavioural Analysis of Retail Investors. International Journal of Business and Management, 3(10).

Das, S. K. (2011). An Empirical Analysis on Preferred Investment Avenues among Rural and Semi-Urban Households. Journal of Frontline Research in Arts and Science, 1, 26-36. Ganapathi. (2010). Investers attitude towards post office deposits schemes' in BVIMR Management Edge, 3(2), 26-45 Koreshashikant,

D., & Teli, R. B. (2015). Investment behavior of postal customers towards post office savings bank schemes (posb): a case study of Kolhapur district. International Multidisciplinary E-Journal, 49-59.

Kothari, C. R. (2007). Research Methodology. Wishwa Prakashan, Third Edition, Prentice Hall of India, New Delhi.

Mathumitha, S. (2015). Investors Attitude towards Post Office Saving Schemes in Cumbum Town. International Journal of Commerce, Business and Management, 4(6), 798-806 Nagpal